B.A. Part-I Hons session 2019 -20
Girija uranw Depatt of PSY paper IInd
R.M.C. Sasaram

A comparative study of freud and Jung's theory of dream (फ्रायड एवं युंग के स्वप्न सिद्धांत का तुलनात्मक अध्ययन या दोनों में भेद) —

फ्रायड एवं युंग दोनों ने स्वप्न का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत प्रस्तुत किया है। दोनों स्वप्न रचना में विश्वास करते हैं। स्वप्न में अचेतन तथा अचेतन की इच्छाओं का महत्व बताते हैं। स्वप्न विषय के महत्व को स्वीकारते हैं आदि। पर इन समानताओं के बावजूद दोनों के विचारों में मूलभूत अन्तर है—

Scanned with CamScanner

(i) फ्रायड की मान्यता है कि स्वप्न के माध्यम से व्यक्ति की दमित इच्छाओं की सन्तुष्टि होती है। परन्तु युंग की मान्यता है कि स्वप्न से केवल काम संबंधि इच्छाओं की ही तृप्ति नहीं होती बल्कि जीवन संबंधि कई इच्छाओं की संतुष्टि होती है।

(ii) फ्रायड ने स्वप्न के लिए दमन को आवश्यक माना है। जब इच्छाओं का दमन होता है तो वे अचेतन में चली जाती है एवं सुषुप्तावस्था में छद्म रूप में स्वप्न के रूप में प्रकट होती है। पर युंग की धारणा है कि स्वप्न एक सामान्य क्रिया है। यह बिना दमन के भी दिखाई दे सकता है। जातिय या सामुहिक अचेतन के संस्कार प्रायः स्वप्न में व्यक्त होते रहते हैं।

(iii) युंग ने फ्रायड की तरह स्वप्न में अचेतन के महत्व को तो स्वीकार किया है किन्तु फ्रायड ने जहाँ एक अचेतन के महत्व को स्वीकार किया है वहाँ युंग दो तरह के अचेतन को स्वीकार किया है और व्यक्तिगत अचेतन से सामुहिक अचेतन का महत्व अधिक बताया है।

(iv) फ्रायड ने प्रतिकों को सामान्य तथा विश्वजनीन माना है परन्तु युंग की मान्यता है कि प्रतिक का मतलब सभी व्यक्ति के लिए अलग-अलग होता है। समय और परिस्थिति के अनुसार भी प्रतिकों का मतलब बदलता रहता है।

(v) फ्रायड के अनुसार स्वप्न का संबंध अतित की अनुभूतियों से रहता है परन्तु युंग के अनुसार स्वप्नों का संबंध वर्तमान एवं भविष्य की समस्याओं से भी रह सकता है। स्वप्न से भविष्य में होनेवाली घटनाओं का आभास मिलता है इसलिए स्वप्न को पथ प्रदर्शक कहा है।

Scanned with CamScanner